कोई लाख करे चतुराई कर्म का लेख मिटे ना रे भाई

कोई लाख करे चतुराई, कर्म का लेख मिटे ना रे भाई ।
ज़रा समझो इसकी सच्चाई रे, कर्म का लेख मिटे ना रे भाई ॥

इस दुनिया में भाग्य के आगे चले ना किसी का उपाय ।
कागद हो तो सब कोई बांचे, कर्म ना बांचा जाए ।
इस दिन इसी किस्मत के कारण वन को गए थे रघुराई रे ॥

काहे मनवा धीरज खोता, काहे तू ना हक़ रोए ।
अपना सोचा कभी ना होता, भाग्य करे तो होए ।
चाहे हो राजा चाहे भिखारी, ठोकर सभी ने यहाँ खायी ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/323/title/koi-laakh-kare-chaturaayi-karam-ka-lekh-mite-naa-bhai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |